ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of Press Briefing **29 October, 2020**

Prof. Gourav Vallabh, Spokesperson AICC addressed media at AICC Hdqrs., today

प्रो. गौरव वल्लभ ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं आप लोगों को आज से 101 साल पूर्व 1919 की घटना की याद दिलाकर अपनी वार्ता की शुरुआत करना चाहता हूँ। 1919 में आजादी के दिवाने जब अमृतसर में इकट्ठा हुए, तो जनरल डायर नाम के एक शासक ने चारों तरफ से उनको घेर कर उनके ऊपर गोलियां दागी, उस घटना में सैंकड़ों की संख्या में भारत मां के सपूतों ने अपनी जान गंवाई। जिसको आगे जाकर हम जलियांवाला बाग की नृशंस हत्या के रुप में जानते हैं।

ऐसी ही एक घटना बिहार में सोमवार रात को हुई। जब रात को मां दुर्गा के भक्त मुंगेर में उनकी मूर्ति को विसर्जन करने के लिए ले जा रहे थे, तो बिहार सरकार की पुलिस ने उन माता के भक्तों को चारों तरफ से घेरा, उनके ऊपर लाठियां बरसाई, उनके ऊपर गोलियां चलवाईं। परिणामस्वरुप एक व्यक्ति ने अपनी जान गंवाई और कई लोग गंभीर रुप से घायल हैं आज भी, जिनका इलाज चल रहा है। पहले बोला गया कि पुलिस ने कोई गोली नहीं चलाई, जब गंभीर रुप से घायल व्यक्ति के शरीर में जो गोली का खोखा मिला, वो गोली का खोखा सिर्फ पुलिस या जो मिलिट्री जिस गोली का इस्तेमाल करती है, जिस एम्यूनेशन का इस्तेमाल करती है, वो एग्जेक्टली सेम था।

अब आप ये बताइए कि क्या उन व्यक्तियों को, जो माता दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन करने के लिए वहाँ जा रहे थे सोमवार को और जो उनकी परंपरा है, जिसको वो बड़ी मां दुर्गा कहते हैं, उस बड़ी मां दुर्गा विसर्जन में जा रहे थे, क्या हमारे देश में माता दुर्गा का विसर्जन करना एक अपराध हो गया है? क्या मां दुर्गा के भक्तों को इस तरह के घेर कर बिहार सरकार लाठियां मारेगी, गोलियां चलाएगी और फिर ये कहकर हट जाएगी कि हमने कुछ नहीं किया। हमारे लोगों ने, पुलिस ने, बिहार सरकार ने गोलियां नहीं चलवाई। आज सामने आ चुका है सच बिहार सरकार का कि वो जो गोली थी, वो गोली बिहार पुलिस के लोगों ने बिहार सरकार के आदेश के बाद चलाई गई थी।

उसके पश्चात दो दिन तक जिन डीएम साहब ने, जिन एसपी साहिबा ने गोली चलाने के आदेश दिए, उनके ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की गई। आज चुनाव आयोग ने उनको वहाँ से हटाया है। हम मांग करते हैं, कांग्रेस पार्टी मांग करती है:-

पहला, ये लिपा-पोती से बाहर आए बिहार सरकार और उन लोगों ने जिन्होंने मां दुर्गा के भक्तों पर गोली चलाई है, उन लोगों ने जिनके आदेश पर ये गोली चली है, उन लोगों को बर्खास्त किया जाए। साथ ही साथ माननीय मुख्यमंत्री को या तो बर्खास्त करें और या उनमें थोड़ी बहुत भी शर्म बाकी

है, तो तुरंत प्रभाव से वो इस्तीफा दें, क्योंकि ये इस तरह की घटना आजाद हिंदुस्तान में तो कभी नहीं हुई, हां अंग्रेज लोगों ने जरुर ऐसी घटनाएं की थी।

हम मांग करते हैं कि उन लोगों को न्याय मिले, जो इस गोलीबारी में, जो इस लाठी चार्ज में गंभीर रुप से घायल हुए हैं और उनको न्याय तभी मिलेगा, जब लिपा-पोती की कार्यवाही नहीं होगी। सरकार के मंत्री और उपमुख्यमंत्री को बर्खास्त किया जाएगा, तभी सच्चा न्याय उन दुर्गा भक्तों को मिलेगा, मां के भक्तों को तभी न्याय मिलेगा, जब उनके ऊपर गोली चलाने वाले लोगों को बर्खास्त किया जाएगा। उनको अपने पदों से तुरंत प्रभाव से हटाया जाएगा। ये हमारी दूसरी मांग है।

मैं आप लोगों को बताना चाहता हूं कि ये वो न्यूज आइटम है (समाचार पत्र को दिखाते हुए कहा), क्योंकि बिहार सरकार ने कहा कि हमने तो गोली चलाई नहीं और इस न्यूज आइटम में आप देख सकते है, स्पष्ट रुप से लिखा हुआ है, मैं हैडलाइन पढ़कर सुनाता हूं। एक्सपर्ट ने जैसा बताया कि जब पुलिस गोली चलाने की बात से इंकार कर रही है, तो ये कारतूस किसका है और यहाँ पर स्पष्ट रुप से लिखा हुआ है कि इंसास राइफल की गोली का खोखा है ये। डॉक्टर ने इसकी पुष्टि की है। ये राईफल सिर्फ पुलिस के लोग रखते हैं, इसका मतलब सरकार के आदेश पर ये गोली बारी हुई है। जब सरकार के आदेश पर ये गोली बारी हुई है, तो सरकार को तुरंत और सरकार का मतलब इधर, निर्दयी कुमार और निर्मम मोदी है। जो जनरल डायर का रुप धारण करके आज मां के भक्तों के ऊपर गोलियां चला रहे हैं। उनको तुरंत बर्खास्त किया जाए।

ऐसा भी पता लग रहा है कि जो एसपी साहिब वहाँ पर थी, वो जदयू के एक सांसद की बेटी है। उनके खिलाफ तुरंत कार्यवाही की जाए और ये बताया जाए वहाँ के लोगों को, बिहार की जनता को कि जिस तरह से मां के भक्तों के साथ, जिन्होंने गोलीबारी की है, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की गई है।

साथ ही साथ मैं निर्मम कुमार और निर्दयी मोदी जी से पूछना चाहता हूं कि आप तो बहुत जंगलराज और लॉ एंड ऑर्डर की बात दोनों सज्जन कर रहे हैं। ये गोलीबारी मां के भक्तों के सामने हुई है, इसको आप क्या कहेंगे?

मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि बिहार के लोग रोटी मांग रहे हैं और आप जो फिरौती का व्यापार चला रहे हैं, वो क्या हैं?

ये सारे आंकड़े कल भी हमने प्रेस वार्ता की,एनसीआरबी के आंकड़े हमने आपके सामने रखे, जिसमें पिछले 15 साल में बिहार में किस तरह एक महाठगबंधन की सरकार ने बिहार को सदियों पीछे धकेल दिया। बिहार की जनता से उनका वांछित हक तक छीन लिया। बिहार के लोगों को, बिहार के मजदूरों को जब दिल्ली, मुंबई से अपने गांव जाना था, तो उनके लिए बस तक मुहैया नहीं करवाई, लेकिन, अगर बिहार के लोगों पर गोलियां चलानी है, तो जरुर उसकी पूरी रुप रेखा बनाई जाती है। चारों तरफ से घेर कर गोलियां बरसाई जाती हैं मां के भक्तों पर। बिहार की जनता ने जिस तरह से पहले चरण की वोटिंग कल हुई है, उसमें साफ कर दिया है कि ये निर्मम कुमार और निर्दयी मोदी को वहाँ की जनता पूरा सबक सिखा कर रहेगी।

तो इस संदर्भ में हमारी दो मांगे हैं, जो मैं वापस दोहराना चाहता हूं, फिर आपके सवाल लूंगा।

पहला, बिहार में लिपा-पोती ना करें इस मामले में, तुरंत प्रभाव से मुख्यमंत्री, निर्मम कुमार जी को यानि कि नीतीश कुमार जी को और उपमुख्यमंत्री निर्दयी मोदी जी की अर्थात सुशील मोदी जी को

अपने पदों से बर्खास्त करें और जो एसपी और डीएम है, उनको भी तुरंत उनके पदों से बर्खास्त करें। तभी इन लोगों को न्याय मिलेगा और ये पता लगाएं कि ऐसे कौन लोग थे, जिनके आदेश पर ये घटना हुई कि दुर्गा मां के भक्तों के ऊपर गोलियां चलाई गई। अगर इस तरह की कार्यवाही नहीं कि तो दुर्गा मां कभी इन लोगों को माफ नहीं करेगी, बिहार की जनता कभी इन लोगों को माफ नहीं करेगी।

एक प्रश्न के उत्तर में प्रो वल्लभ ने कहा कि हमने लोकसभा चुनाव के दौरान भी चुनाव आयोग को इस बारे में बताया था, आज भी हम बोल रहे हैं कि उनको किनसे आदेश लेती हैं? कौन व्यक्ति हैं जिन्होंने ये आदेश दिया, जिनके कारण माता के भक्तों के ऊपर पहले डंडे बरसाए गए, फिर गोलियाँ चलाई गईं मैं तो शहीद ही कहूँगा क्योंकि जो व्यक्ति मां के भक्तों में जान गंवाता है वो शहीद ही होता है। वो व्यक्ति शहीद हुआ और अभी दसों लोग गंभीर रुप से घायल है, कौन है वो व्यक्ति इसकी जांच होनी चाहिए और जांच तभी हो पाएगी जब लीपा पोती की कार्यवाही खत्म होगी। लीपी-पोती से काम नहीं चलेगा कि इधर के डीएम को उधर भेज दिया, उधर के यहाँ ले आए, ऐसे उदाहरण सेट करने पडेंगे, उनको बर्खास्त करके और न केवल एसपी और डीएम को बर्खास्त हो सकता है, उसमें ऊपर से उनके ऊपर से आदेश आए हों, इसलिए तुरंत जो लॉ एंड ऑर्डर की दुहाई देते फिर रहे हैं पूरे बिहार में वो पूरे चुनाव के दौरान लॉ एंड ऑर्डर को मेंटेन नहीं कर पाए। शिवहर की घटना आपको बताता हूँ निर्दलीय प्रत्याशी को खुलेआम गोली मार दी जाती है। ये कौन सा सुशासन है, ये सुशासन नहीं है, इसको तो सिर्फ ये ही कह सकते हैं, कुशासन कुमार। ऐसा शासन जिसमें माता के भक्तों पर गोलियाँ चलाई जाती हैं, जिसमें सरेआम एमएलए के चुनाव लड़ रहे लोगों के ऊपर गोलियाँ चलाई जाती हैं, ये तो सुशासन नहीं हो सकता, this is only a bad Governance, not a good governance from any perspective.

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रो वल्लभ ने कहा कि इसलिए तो मैं आपको बोल रहा हूँ कि जब आप लीपा-पोती करोगे तो इस तरह के स्टेटमेंट्स आएंगे। आप कोई स्ट्रिक्ट कदम उठाइए, दोनों डीएम और एसपी को बर्खास्त कीजिए और न केवल डीएम और एसपी, निर्दयी कुमार और निर्मम मोदी भी अपने पद से या तो इस्तीफा दें या उनको बर्खास्त किया जाए, क्योंकि ये कोई न्यू इंडिया नहीं था, इसके लिए भारत के लोगों ने आपके ऊपर विश्वास नहीं किया था। इसके लिए आपको मत नहीं दिए गए थे कि आप भक्तों को चारों तरफ से घेरकर जनरल डायर का रुप धारण करके गोलियाँ चलवाओगे। जब डीएम कह रहा है कि मुझे पता ही नहीं कि किसके आदेश पर ऐसा हुआ है, तो आप उस राज्य की शासन व्यवस्था का अंदाजा लगा सकते हो। ये आपके सवाल में ही स्पष्ट हो चुका है कि ये सुशासन नहीं, ये कुशासन का नमूना है।

भाजपा अध्यक्ष के संदर्भ में पूछे एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रो वल्लभ ने कहा कि मेरी एक शिकायत है और वो आपके संदर्भ में, बीजेपी के अध्यक्ष से है। क्या आपके हमारे देश के टीवी चैनल इतने खराब हैं कि बीजेपी के अध्यक्ष को पाकिस्तानी चैनल देखने पड़ते हैं? क्या हमारे चैनलों में वो सूचनाएं नहीं है कि उनको वो देखने पड़ते हैं। मैं तो उनसे बार-बार ये पूछना चाहता हूँ कि वो वहाँ की संसद की कार्यवाही से अच्छा हमारे देश की संसद की कार्यवाही के ऊपर फोकस रखें, क्योंकि चुनाव बिहार में है, देश में आगे आएंगे, जो उनको लड़ने हैं, या तो उनको पाकिस्तान में चुनाव लड़ने का मन बना लिया है तो उनकी बात में दम है कि वो पाकिस्तान में चुनाव लड़ना चाह रहे हों तो पाकिस्तानी चैनल देख रहे हों। मैं बार-बार कहना चाहता हूँ कि भारतीय सेना के साथ कांग्रेस पार्टी, पहले भी एक-एक कांग्रेस पार्टी का वर्कर पहले भी खड़ा था, आज भी खड़ा है और भविष्य में

भी खड़ा रहेगा। पर सवाल ये है कि ज्यों ही चुनाव आते हैं भाजपा को पाकिस्तान क्यों याद आता है? क्या इसलिए याद आया कि कल 71 में से 55 से ज्यादा सीटें राजद-कांग्रेस और वामदलों का गठबंधन जीत रहा है? ज्यों ही चुनाव आते हैं, आपको शमशान बनाम कब्रिस्तान का लड़ाई याद क्यों आती है? ज्यों ही चुनाव आते हैं आपको कश्मीर क्यों याद आ जाता है? क्या आपके पास एक भी ऐसा मुद्दा नहीं है कि 15 साल में आपने क्या किया, कितने उद्योग लगाए, कितने रोजगार दिए, कितने एसईजेड बने, कितने आईटी के उद्योग बने, कितने हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स लगे, कितने स्कूल खोले? बाढ़ में आपने क्या व्यवस्था की, क्या ये बताने को आपके पास एक भी मुद्दा नहीं है, जब ये नहीं होता है तो पाकिस्तान के चैनल देखना भारतीय जनता पार्टी चालू कर देती है। मैं उनको बताया चाहता हूँ, नड्डा जी, या तो आपने पाकिस्तान का चुनाव लड़ने का मन बना लिया है तो आपको मुबारक हो क्योंकि कांग्रेस पार्टी तो हमेशा हिंदुस्तान में ही रही है आगे भी हम तो यहीँ चुनाव लड़ेंगे और रही बात आपके मुद्दों की, मैंने आपसे मुद्दा पूछा कि बिहार का चुनाव है और आप पाकिस्तान के चैनल को देखकर कोट कर रहे हो। बिहार के चुनाव में बिहार के युवाओं की बात क्यों नहीं की जाती है? क्यों नहीं नड्डा जी बताते कि ऐसा क्या दबाव था कि साढ़े चार लाख नौकरियाँ बिहार सरकार में नहीं भरी गई, कौन था वो व्यक्ति? क्यों नहीं नड्डा जी बताते कि क्यों पटना को समुंदर बनाया गया था, हर बाढ़ में, हर मॉनसून में वो क्या कारण थे? क्यों नहीं नड्डा जी कि बिहार सस्टेनेबल डैवलपमेंट गोल्स की जो नीति आयोग की रिपोर्ट है उसमें 33.74 प्रतिशत बिहार की जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे हैं, क्या ये बताने के लिए उनको शर्म आती है? तो इसलिए मैं हमेशा कहता हूँ, आज आपसे आपने सवाल पूछा इसलिए आपको भी बताता हूँ कि ये जो केपीके का मॉडल है न, के मतलब कश्मीर, पी मतलब, पाकिस्तान और के मतलब कब्रिस्तान बनाम शमशान। ये केपीके मॉडल नहीं चलेगा, बिहार मे सुशासन का मॉडल चलेगा, बिहार में रोजगार का मॉडल चलेगा, बिहार में जो युवाओं की बात सुनेगा, उसका मॉडल चलेगा, बिहार में महिलाओं के सम्मान की जो बात कहेगा, उसका मॉडल चलेगा। जो मुजफ्फुरपुर शैल्टर होम वाले को अपनी पार्टी का चेहरा बनाते हैं, उनका मॉडल नहीं चलेगा, जो सृजन के घोटाले करते हैं उनका मॉडल नहीं चलेगी, जो पुल, उद्घाटन से पहले जिनके पुल टूट जाते हैं, नदियाँ बहाकर ले जाती हैं, उनका मॉडल नहीं चलेगा। KPK model is gone, now there is a model of only RRR. R means- Rozgar, Rozgar, Rozgar. KPK is gone, now there is a 3 R model on which we are contesting this election.

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रो वल्लभ ने कहा कि मैं तो ये कह रहा हूँ कि माँ के भक्तों के ऊपर गोलियाँ चलाने के रूप में देख रहा हूँ। माँ के भक्तों के ऊपर डंडे बरसाने के रूप में देख रहा हूँ। माँ के भक्तों का जो शांतिपूर्ण लोग विसर्जन करने जा रहे थे, जो सौ साल से जो मुंगेर की परम्परा चली आ रही है, जिसको बड़ी माँ दुर्गा कहते हैं, उसको चोट पहुंचाने के रुप में देख रहा हूँ और निश्चित रूप से आदेश ऊपर से आए होंगे, कोई लोकल पुलिस गोलियाँ चलाने के आदेश नहीं देती है, उनको आदेश ऊपर से मिले, इसलिए कहता हूँ, वापस अपनी बात दोहरा रहा हूँ कि डीएम और एसपी को बर्खास्त, निर्मम कुमार अर्थात नीतिश कुमार और निर्दयी मोदी अर्थात सुशील मोदी जी को भी बर्खास्त करिए। जब आपको पता चलेगी कि ये किसने कहा, किसके आदेश पर माँ के भक्तों को चारों तरफ से घेरकर गोलियाँ चलवाई गई हैं।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रो वल्लभ ने कहा कि मुझे ये बताइए जब देश के वित्त मंत्री जी, मैडम साहिबा, zero percent of GDP को अचीव करने के लिए प्लान बनाती हो, और उसको बड़े-बड़े अक्षरों में छपवाती हो उसको बाद खरीद क्या आम आदमी की जिंदगी में क्या हो रहा होगा, आप

सोच सकते हैं। मुझे ये बताइए कि अप्रैल से लेकर अगस्त, 2020 के मध्य दो करोड़ दस लाख सैलरीड क्लास, पक्की नौकरी वाले अपनी नौकरी गंवा देते हैं आपको सोना दिख रहा है। अरे सोना छोड़िए साहब घी, तेल, नमक, मिर्च की भी बिक्री घट रही है। बार-बार हम कह रहे हैं कि देश का कंजम्पशन ऑल टाइम लो जा रहा है। हम बार-बार कह रहे हैं, लोगों के हाथों में कैश दीजिए। हम बार-बार कह रहे हैं, जब तक आप एमएसएमई को कर्ज की खुराक नहीं, कैश की खुराक दीजिए, अभी लोगों का हाथ पकड़ने की ज़रुरत है, उनका हाथ पकड़कर उनको लिफ्ट करने की जरुरत है, उनको कर्ज की खुराक देने की ज़रुरत नहीं है। आप तो सोने के कंजम्पशन की बात कर रहे हो, यहाँ तो कंज्यूमर ड्यरेबल्स का कंजम्पशन गिर रहा है। ग्रेन्स का कंजम्पशन अगर हम देखें प्रति व्यक्ति तो गिर रहा है। कंजम्पशन किस चीज का बढ़ रहा है, सिर्फ एक ही चीज बढ़ रही है, ये जो अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियाँ हैं, जो पहले कहती थी कि फाइनेंशियल ईयर 2021 में भारत की जीडीपी का कॉन्ट्रैक्शन -5 से -6 प्रतिशत रहेगा, वो आज कह रही हैं कि -10 से -15 प्रतिशत रहेगा। तो जब देश की वित्तमंत्री ये कह दें कि गाड़ियाँ इसलिए नहीं बिक रहीं क्योंकि नौजवान लोगों ने टैक्सियों में चलना शुरु कर दिया है। जब देश की वित्तमंत्री ये कह दें कि प्याज के दाम में मैं कुछ नहीं कर सकती, क्योंकि मैं प्याज नहीं खाती, तो वो आपके ये सोना-चांदी के कंजम्पशन की कहाँ बात करेंगी। जब देश के वित्तमंत्री और देश की सरकार को इस बात का कोई फर्क नहीं पड़ता कि फूड इंफ्लेशन 10 प्रतिशत से ऊपर पहुंच चुका है, तो फिर आप ये सोने के कंजम्पशन की क्या बात कर रहे हो। जब देश की सरकार को ये नहीं फर्क पड़ता कि प्याज हो, टमाटर हो, आलू हो, सबकी कीमतें पिछले 15-20 दिन में लगभग 70 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बढ़ी है तो ये तो बहुत बड़ी बात आपने पूछ ली है। तो इसलिए मैं तो यही कहूँगा कि व्यक्ति को वही काम करना चाहिए जो उसको समझ में आता है, जिसका उसको ज्ञान है, वरना आप यही उत्तर दोगे की एक्ट ऑफ गॉड के कारण इकॉनमी गिर गई। आप पहले कहते थे एक्ट ऑफ नेहरु के कारण देश में सबकुछ खराब है, फिर आपने कहा कि एक्ट ऑफ पीपल जो कि यंग लोगों ने टैक्सी में चलना चालू कर दिया इसलिए गाड़ियाँ नहीं बिक रही हैं, अब आप एक्ट ऑफ गॉड में आ गए हो। जब तक आप ये नहीं मानेंगे this is because of act of your wrong policies. रॉन्ग पॉलिसीज चालू होती हैं, नोटबंदी से, रॉन्ग पॉलिसीज का दूसरा ठहराव आता है, जीएसटी लागू गलत तरीके से करने में और तीसरा और अंतिम जो कील जो मारी गई, जिससे माइनस 23.9 प्रतिशत पर जीडीपी जाकर गिरी है, वो कील थी बिना सोचे-समझे, बिना तैयारी के तालाबंदी। इसलिए नोटबंदी से तालाबंदी का जो सफर हुआ, जिसमें बीच में गलत तरीके से जीएसटी लागू की गई थी, उसके बाद अगर आप ये कहते हो कि कंजम्पशन गिर रहा है गोल्ड का तो आप बहुत छोटा और डायल्यूटेड सवाल पूछ रहे हो, आपको सवाल ये पूछना चाहिए कि सरकार क्या कर रही है, जब लोगों की सैलरीज कम हो रही है, जब मैसिव रिट्रेंचमेंट हो रहा है, एक भी ऐसी इंडस्ट्री बताओ जहाँ पर रिट्रेंचमेंट नहीं हुआ हो। एक भी ऐसी इंडस्ट्री बताओ जहाँ पर सैलरीज का कट नहीं हुआ हो। आप यहाँ पर कंज्पशन की बात कर रहे हैं, लोगों के जीने का, आजीविका, डेली नीड्स का कंजम्पशन भी नीचे गिर रहा है, गोल्ड तो बहुत ऊपर की बात है। फेस्टिव सीजन में हमने एक आज से 5-7 दिन पहले एक प्रेस वार्ता रखी थी, जिसमें हमने बताया था कि किस तरह इस फेस्टिव सीजन में भी जो ट्रेनें भी चल रही हैं, उसमें लोगों को लूटने के लिए आप स्पेशल ट्रेन का भाड़ा ले रहे हो तो वो भी एक इम्पोर्टेंट चीज है। फूड इंफ्लेशन हाई, कजम्पशन ऑल टाइम लो, GDP expected for financial year 21 in between -10 to -15% then what you can expect-nothing. What you had asked the question is a very diluted question. आलू- प्याज का भी कंजम्पशन अगर आप देखेंगे तो प्रति व्यक्ति का गिरेगा क्योंकि लोगों के पास पैसा नहीं है, लोगों के हाथ मे नौकरी नहीं है, लोगों

की सैलरी में अप्रत्याशित कमी की गई है और इसका आज फिर इसी पटल से बोलता हूँ, दुनियाभर के अर्थशास्त्री, नोबेल लॉरियेट्स, भले ही वो अभिजीत बनर्जी हो, भले ही अमर्त्य सेन साहब हो, विश्वविख्यात अर्थशास्त्री भले रघुराम राजन जी हो, बार-बार उन्होंने कहा कि we require to transfer money in the hands of the people of our country. राहुल गांधी जी ने हर जगह ये जाकर बात हो हाईलाइट किया, लेकिन सरकार के कानों में जूँ नहीं रेंगती। उनको तो लगता है कि इसी तरह लोगों को गुमराह करके हम शासन चला सकते हैं। पहले कहा कि 20 लाख करोड़ का पैकेज दे दिया जाएगा। 20 लाख करोड़ का क्या हस्र हुआ, कि आज जो ग्लोबल एजेंसीज पहले माइनस 5 प्रतिशत डाउन बता रही थीं, उन्होंने माइनस 15 प्रतिशत बताया है। इसका मतलब आपका 20 लाख करोड़ झूठा था, ये स्पष्ट हो गया, हमें बोलने की ज़रुरत नहीं है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने, हमारे लोगों ने कहा कि फाइनेंशियल ईयर 2021, जो पहले कहते थे 4 से 5 प्रतिशत कॉन्ट्रैक्शन होगा, वो -10 से -15 की बात होगी। इसका मतलब आपका जो 20 लाख करोड़ का पैकेज था, वो सिवाए झूठ के कुछ भी नहीं था। आईएमएफ ने कहा कि जो 20 लाख करोड़ का पैकेज, जिसको जीडीपी का 10 प्रतिशत बोला, वो जीडीपी के दो प्रतिशत से ज्यादा का नहीं है। जबकि दूसरे देश भले ही वो अमेरिका हो, ब्राजील हो, वहाँ पर 11 से 12 प्रतिशत ऑफ जीडीपी का रियल पैकेज दिया गया और ये भी मैं आपको आईएमएफ का आंकड़ा दे रहा हूँ। जब आप हर चीज में अमेरिका से कंपेयर करते हो तो पैकेज में क्यों नहीं? तो इसलिए कंजम्पशन तो आपको सुधारना ही होगा और एक ही तरीका है, आप पैसा दीजिए लोगों के हाथ में, नए पैसे से नई मांग का सृजन होगा, नई मांग से नया कंजम्पशन बनेगा और नया कंजम्पशन ज्यों ही मार्केट में आएगा, उससे रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा।

Sd/-
(Dr. Vineet Punia)
Secretary
Communication Deptt,
AICC